Date – 8 July 2022

ग्लोबल फाइंडेक्स रिपोर्ट 2021

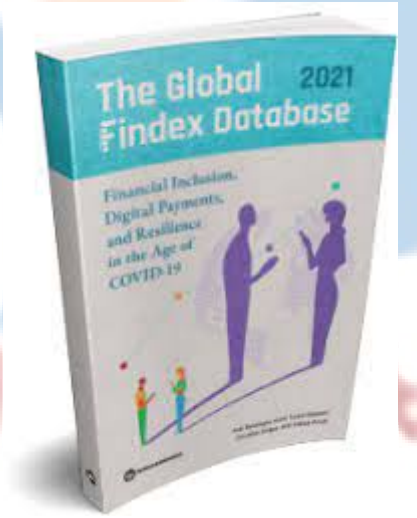

- हाल ही में विश्व बैंक ने 'द ग्लोबल फाइंडेक्स रिपोर्ट 2021' जारी की है।
- ग्लोबल फाइंडेक्स ने COVID-19 के दौरान 123 अर्थव्यवस्थाओं में 125,000 से अधिक वयस्कों का सर्वेक्षण किया ताकि यह बेहतर ढंग से समझा जा सके कि लोग औपचारिक और अनौपचारिक वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान का उपयोग कैसे करते हैं।

निष्कर्ष:

खाता स्वामित्व:

- दुनिया भर में खाते के स्वामित्व में 50% की वृद्धि हुई है, जिसमें 76 प्रतिशत वयस्क आबादी के पास खातों तक पहुंच है।
- दर्जनों विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में खाता स्वामित्व व्यापक रूप से बढ़ा है, और अधिकांश नए खाते भारत और चीन में खोले गए हैं।

औपचारिक बैंकिंग तक पहुंच:

- औपचारिक बैंकिंग के बिना वैश्विक आबादी का बड़ा हिस्सा (क्रमशः 130 मिलियन और 230 मिलियन) भारत और चीन में रहता है।
- महिलाओं को अक्सर औपचारिक बैंकिंग सेवाओं से बाहर रखा जाता है क्योंकि उनके पास आधिकारिक पहचान दस्तावेजों की कमी होती है, उनके पास मोबाइल फोन या अन्य प्रकार की तकनीक नहीं होती है, और उनकी वित्तीय क्षमता बहुत कम होती है।
- विकासशील देशों में पुरुषों की हिस्सेदारी 74 फीसदी थी, जबकि महिलाएं 68% खातों के साथ छह अंक पीछे थीं।

अनबैंकिंग:

- विश्व स्तर पर 24% वयस्कों के पास बैंक नहीं है, विभिन्न कारणों में से एक पैसे की कमी है, जिसमें 31% बिना बैंक वाले वयस्कों के लिए दूरी एक बाधा है।
- जिन लोगों का किसी वित्तीय संस्थान या मोबाइल मनी सेवा प्रदाता में खाता नहीं है, उन्हें बैंक रहित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- वैश्विक स्तर पर, 64% गैर-बैंकिंग वयस्क प्राथमिक स्तर या उससे नीचे के स्तर पर शिक्षित हैं।
- दुनिया भर में 36% बैंक रहित वयस्कों का कहना है कि वित्तीय सेवाएं बहुत महंगी हैं।

COVID-19 और डिजिटल भुगतान:

- COVID-19 महामारी ने डिजिटल भुगतान के उपयोग में वृद्धि को उत्प्रेरित किया है।
- वर्ष 2021 में विकासशील देशों में 18% वयस्कों ने सीधे खाते से उपयोगिता बिलों का भुगतान किया। इनमें से करीब एक तिहाई बिलों का पहली बार ऑनलाइन भुगतान किया गया।

मोबाइल मनी:

- मोबाइल मनी उप-सहारा अफ्रीका में विशेष रूप से महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन का समर्थन कर रहा है।

- ऐसी 11 अर्थव्यवस्थाएं हैं जहां वयस्कों के पास वित्तीय संस्थान खातों की तुलना में अधिक मोबाइल मनी खाते हैं, सभी उप-सहारा अफ्रीका में स्थित हैं।

वित्तीय प्रदाताओं की वित्तीय पहुंच के विस्तार में योगदान:

- सरकार, निजी नियोक्ताओं और वित्तीय प्रदाताओं ने बाधाओं को कम करके और बुनियादी ढांचे में सुधार करके वित्तीय पहुंच का विस्तार करने और बैंक रहित लोगों के बीच उपयोग करने में मदद की।
- वित्तीय समावेशन कोविड-19 महामारी के बाद से अल्पकालिक राहत और स्थायी वसूली प्रयासों दोनों के लिए एक आधारशिला बन गया है।

वित्तीय चिंताएं:

- वित्त के मामले में, विकासशील देशों में वयस्कों के उच्च आय वाले देशों के वयस्कों की तुलना में चिंतित होने की अधिक संभावना है।
- चिकित्सा व्यय के संबंध में सबसे अधिक चिंता उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में देखी गई, जिसमें 64% वयस्क अधिक चिंतित थे, और सबसे कम पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 38% वयस्क थे।

सिफारिशें:

- जैसा कि सरकारें महामारी से निपटने के लिए डिजिटल बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में तेजी लाने और विस्तार करने की कोशिश कर रही हैं, नीतियों को महिलाओं, गरीबों और सीमित शैक्षणिक योग्यता या वित्तीय साक्षरता वाले लोगों सहित सबसे कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा में कारक बनाने की आवश्यकता है।
- वित्तीय समावेशन पर समान प्रगति सुनिश्चित करने के लिए गतिशीलता में लैंगिक अंतर को पाटना चाहिए।

YOJNA IAS

स्वदीप कुमार

ऑपरेशन नारकोस

- रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने हाल ही में ऑपरेशन "नारकोस" (NARCOS) के तहत 40 करोड़ रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं।

ऑपरेशन नारकोस क्या है?

- "ऑपरेशन नारकोस" नामक कोड कोड के साथ रेल के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महीने का अखिल भारतीय अभियान जून-2022 में शुरू किया गया था, जिसमें नारकोटिक्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) के खतरे पर विशेष ध्यान दिया गया था।
- आरपीएफ ने इस अवैध व्यापार में शामिल मादक पदार्थों के तस्करों को निशाना बनाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समन्वय से ट्रेनों में अपनी जांच तेज कर दी है और देश भर में ब्लैक स्पॉट की पहचान की है।

रेलवे सुरक्षा बल:

- आरपीएफ दल भारत संघ का एक सशस्त्र बल है। यह भारतीय रेल, रेल मंत्रालय के स्वामित्व वाला एक सुरक्षा बल है।
- आरपीएफ का इतिहास 1882 का है जब विभिन्न रेलवे कंपनियों ने रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए अपने स्वयं के गार्ड नियुक्त किए थे।
- बल को 1957 में संसद के एक अधिनियम द्वारा एक वैधानिक बल घोषित किया गया था, जिसे बाद में 1985 में भारत संघ के एक सशस्त्र बल के रूप में घोषित किया गया था।
- रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी आरपीएफ को सौंपी गई है।

आरपीएफ की अन्य पहल:

ऑपरेशन आहट:

- पीड़ितों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाने के लिए लंबी दूरी की सभी ट्रेनों/मार्गों पर विशेष दल तैनात किए जाएंगे।

मेरी सहेली:

- यह पहल महिला यात्रियों की सुरक्षा पर केंद्रित होगी। इसे सितंबर 2020 में दक्षिण-पूर्वी रेलवे में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लॉन्च किया गया था। तब से इसे सभी क्षेत्रों में विस्तारित किया गया है।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा-

- "ऑपरेशन यात्री सुरक्षा" के तहत, आरपीएफ यात्री अपराध के खिलाफ लड़ाई में राज्य पुलिस का समर्थन करता है।

ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते:

- इसने 1,045 बच्चों को बचाया जो अकेले या रेलवे स्टेशनों पर छोड़े गए थे।

स्वदीप कुमार

फुजियान

चीन द्वारा अपने पहले नई पीढ़ी के स्वदेशी विमान-वाहक पोत (**Indigenous Aircraft Carrier**), टाइप 003, फुजियान (Type 003, Fujian) का अनावरण किया गया ।

- चीन अमेरिका के बाद अब सबसे अधिक विमान-वाहक पोत वाला देश है।
- इस विमान-वाहक पोत का नाम फुजियान चीन के पूर्वी तटीय प्रांत के नाम पर रखा गया है जो ताइवान के पास स्थित है।
- चीन द्वारा संचालित दो अन्य वाहकों शेड़ोंग (टाइप 001) और लियाओनिंग (टाइप 002) के साथ फुजियान को शामिल किया गया, शेडोंग (टाइप 001) को वर्ष 2019 में कमीशन किया गया तथा दूसरा लियाओनिंग (टाइप 002), जिसे वर्ष 1998 में यूक्रेन से सेकेंड-हैंड खरीदा गया।

- शेडोंग और लियाओनिंग की तुलना में टाइप 003 विमान-वाहक पोत तकनीकी रूप से इन दोनों से अधिक उन्नत है।

फुजियान की विशेषताएँ:

- फुजियान 80,000 टन के कुल भार के साथ चीनी वाहकों की तुलना में बहुत अधिक है और अमेरिकी नौसेना के विमान-वाहक पोतों के बराबर है।
- फुजियान को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम (**Electromagnetic Aircraft Launch System– EMALS**) नवीनतम लॉन्च तकनीक से सुसज्जित किया गया है, जो सबसे पहले अमेरिकी नौसेना द्वारा विकसित किया गया था।
- फुजियान में टेक-ऑफ और लैंडिंग हेतु एक सीधा फ्लैट-टॉप फ्लाइट डेक भी मौजूद है।
  - फुजियान में विमान के टेक ऑफ के लये दो मौजूदा जहाज़ स्की जंप-स्टाइल रैंप (Ski Jump-Style Ramp) मौजूद हैं। स्की-जंप एक ऊपर की ओर घुमावदार रैंप होता है जिसका उपयोग विमान द्वारा रनवे के रूप में किया जाता है तथा यह विमान के आवश्यक टेक-ऑफ रोल से छोटा होता है।

विमान का महत्त्व:

- ताइवान को चीनी मुख्य भूमि से अलग करने वाले जलडमरूमध्य में शक्ति के प्रदर्शन के रूप में चीन ने नौसेना तैनात की चीन ने लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा किया है।
- दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में काम करने के लिये फुजियान के साथ चीन को और अधिक जगह मिलने की संभावना है।
- हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की एक बड़ी उपस्थिति होने के बावजूद फुज़ियान की क्षमताएँ चीन को भारत के क्षेत्र में जाने का रास्ता प्रदान करती हैं, जहाँ चीन अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।
- चीन ने रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका, राष्ट्र जिबूती में अपने नौसैनिक अड्डे का विस्तार किया, इससे पहले श्रीलंका में हंबनटोटा बंदरगाह को कर्ज के एवज में लीज़ के तौर पर हासिल कर लिया है, और चीन अरब सागर पर पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का आधुनिकीकरण कर रहा है।
- वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका 11 परमाणु-संचालित जहाज़ों के साथ विमान वाहक के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी है, इसके बाद चीन, ब्रिटेन और इटली का स्थान है। इसके बावजूद चीन अपनी सैन्य शक्ति का निरंतर विस्तार कर रहा है परंतु फिर भी यू.एस. से बहुत पीछे है।

भारत में विमान–वाहक पोत की स्थिति:

आईएनएस विक्रमादित्य:

- रूसी नौसेना के सेवामुक्त एडमिरल गोर्शकोव/बाकू से परिवर्तित युद्धपोत भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा विमान-वाहक पोत है।
- आईएनएस विक्रमादित्य नवंबर 2013 में सेवा में अधिकृत किया गया था, यह एक संशोधित कीव-श्रेणी का विमान-वाहक पोत है।
- यह एक कोणीय स्की-जंप के साथ शॉर्ट टेक-ऑफ लेकिन अरेस्ट रिकवरी या STOBAR तंत्र पर काम करता है।
  - STOBAR एक विमान वाहक के डेक से विमान के प्रक्षेपण और पुनर्प्राप्ति के लिए उपयोग की जाने वाली प्रणाली है, जो **"कैटापल्ट-असिस्टेड टेक-ऑफ लेकिन गिरफ्तार रिकवरी" के साथ "शॉर्ट टेक-ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग"** के तत्वों को जोड़ती है। टेक-ऑफ में सहायता के लिए स्की-जंप का उपयोग करके अपनी शक्ति के तहत विमान का प्रक्षेपण किया जाता है।

आईएनएस विक्रांत:

- आईएनएस विक्रांत, भारत का दूसरा विमान-वाहक पोत है, जिसे इस साल के अंत में चालू किया जाना है, विमान को लॉन्च करने के लिये CATOBAR प्रणाली का उपयोग करेगा।
- आईएनएस विक्रांत के निर्माण ने भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया, जिनके पास अत्याधुनिक विमान-वाहक बनाने की क्षमता है।
- भारतीय नौसेना के अनुसार, वह **युद्धपोत मिग-29K लड़ाकू जेट**, **कामोव-31 हेलीकॉप्टर**, **MH-60R बहु–भूमिका हेलीकॉप्टर** और **स्वदेशी रूप से निर्मित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (ALH)** सं चालित करेगा।

रवि सिंह

YOJNA IAS